MINUTES OF THE STANDING COMMITTEE ON PETROLEUM AND CHEMICALS

SHRI S. S. SURJEWALA (Haryana): Sir I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Minutes of the Standing Committee on Petroleum and Chemicals relating to Procedural and miscellaneous matters.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Honourable Members, this is the last day of the second phase of the Budget session and the House will adjourn at 1.00 P.M. for lunch. Then, in the afternoon, there will be Private Members' Business. Before I take up the next item of business I would request all the hon. Members to cooperate with me so far as the disposal of Zero Hour submissions are concerned. Each Member would be given two minutes' time or three minutes' time in whose name the Zero Hour submission stands. Those who want to associate, I will try to accommodate each and every Member whose names are here and who have been permitted by the Chairman to associate. But as a special case, I may permit, some other Member also. But he should not make a speech. So, kindly cooperate with me so that we can have a more dignified Zero Hour today.

श्री संघ प्रिय गौतम: हम आपके साथ सहयोग करेंगे लेकिन आपसे प्रार्थना है कि आप मेम्बरों को निर्देश दें कि वह विषय तक ही सीमित रहें । **(व्यवधान)**

SHRI ISH DUTT YADAV: Sir, he is not cooperating with you.

RE. DEMAND FOR REPEALING TADA

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : बहुत-बहुत शुक्रिया, आपने एक बार फिर मुझे टाडा के मसले पर बोलने का मौका दिया । टाडा को दस साल 24 मई को पूरे हो रहे हैं और लगता है सरकार फिर से इसे बढ़ाने के लिए जा रही है । पिछले दो-तीन साल से मैं यहां टाडा के मसले को बार-बार उठाता रहा हूं । अब तो मजाक में मुझे मोहम्मद अफजल उर्फ टाडा कहने लगे हैं । यह मेरा तखल्लुस है । मुझे शर्म आने लगी है, मैं मसले को बार-बार उठाता हूं लेकिन सरकार को कभी शर्म नहीं आई, बड़े अफसोस की बात है । अब तक टाडा के खिलाफ तकरीबन 400 से ज्यादा आर्टीकल्स अखबारों में साया हो चुके हैं और ह्यूमन राइट्स कमीशन के चेयरमैन ने तमाम एम. पीज को, मिनिस्टर्स को खत लिखा है, पार्टी के लीडरों को खत लिखा है । उस खत का एक जुमला पढ़ देना चाहता हूं जो ह्यूमन राइट्स कमीशन के चेयरमैन जस्टिस रंगानाथन मिश्र ने लिखा है :

> "The TADA legislation is indeed draconian in effect and character and has been looked down upon as incompatible with our cultural tradition, legal history and treaty obligation."

उसके बाद उन्होंने अपील की तमाम पार्लियामेंट के मैम्बरों से कि इस टाडा के कानून को अगली बार पास होने से रोकें । इससे ज्यादा अहम बात यह है कि यूनाइटेड नेशंस की दो रिपोर्ट्स में हिन्दुस्तान में लागू क्रैकोनियन लॉ के खिलाफ बाकायदा स्ट्रक्चर पास हुआ है और उसमें इसको जबर्दस्त तरीके से क्रिटीसाइज किया गया है। पर इस मसले को बार-बार उठाया गया है । मैं यह बताना चाहता हूं कि मैंने तकरीबन 800 खत तमाम वजीरों को, बड़े-बड़े लीडरों को लिखे हैं । उनको लिखा था नवम्बर महीने में । इसका जवाब जो प्राइम मिनिस्टर साहब ने दिया है, मेरा ख्याल है इतना दिलचस्प जवाब है टाडा के इशु पर कि शायद आप में से कुछ लोग इसको कोट करना पसन्द करेंगे । प्राइम मिनिस्टर साहब लिखते हैं :

"Dear Shri Afzal,

I have received your letter on the 4th December, 1994 regarding the TADA.

With regards, yours sincerely,

Sd/ P. V. Narasimha Rao"

यह एकनोलिजमेंट है। उसके बाद आज-तक कोई खत हमको नहीं मिला। इसके अलावा मुझे यह अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस मुल्क में चार-चार होम मिनिस्टर्स हैं जिनके हाथ में यह टाडा का कानून है लेकिन आज तक एक्नोलिजमेंट भेजना भी चारों होम मिनिस्टर्स में से किसी ने भी गवारा नहीं किया। मैं औरों की बात नहीं करता। अभी बम्बई के अंदर सरकार के एक वजीर गुलाम नबी आजाद ने पब्लिक मीटिंग में खड़े होकर यह कहा कि अगर टाडा को नहीं हटाया गया ब.र्डरिंग स्टेट्स को छोड़ कर तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। मेरा ख्याल है सरकार गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे का इंतजार कर रही है। उसके बाद शायद टाडा हटायेगी। इसके अलावा राजेश पायलट जो कुछ बोलते रहते हैं वह भी सब लोग जानते हैं। उन्होंने खुल्लमखुल्ला कहा है कि टाडा ड्रेकोनियन ला है। इसका गलत इस्तेमाल हो रहा है, सब कुछ हो रहा है।

सर, प्राइम मिनिस्टर साहब भी कई जगहों पर एश्योरेंस दे चुके हैं कि "टाडा" के बारे में गौर किया जा रहा है। लेकिन हमारी समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर यह कब खत्म होगा। लेकिन यह बात है, मैं मुबारकबाद दूंगा, चव्हाण साहब को, इनकी कंसिस्टेंसी में कोई कमी नहीं आयी है। हमेशा इन्होंने कहा है, पार्लियामेंट के अंदर भी कहा, जब हमने सवाल उठाया कि हां, इसका मिसयूज हुआ है। लेकिन "टाडा" से इनकी मुहब्बत खत्म नहीं हुयी। ऐसा लगता है कि जैसे, मैं मजाक में कह रहा हूं कि बीलवेड से जो मुहब्बत हो सकती है, ऐसे ही चव्हाण साहब की टाडा से मुहब्बत है।

सर, आज से तो बाल ठाकरे साहब ने भी इसके ऊपर अपने आंसू बहाने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा है कि संजय दत्त को जो पकड़ा गया है वह गलत है, वह इन्नोसेंट है। काश, बाल ठाकरे साहब यह बात दो साल पहले, तीन साल पहले कह देते। लेकिन अब चूंकि आप सरकार में आए हैं—मैं सुबह मलकानी साहब का इंटरव्यू पढ़ रहा था, उन्होंने अच्छा मशविरा दिया और कहा कि भई, जरा धीरज रखो, बाल ठाकरे साहब अभी पावर में आए हैं, अब थोड़ी बहुत उनके अंदर जिम्मेदारी आ जाएगी। मुझे लगता है कि कल जो यहां हंगामा हुआ, उससे थोड़ी जिम्मेदारी उनके अंदर आ गयी है। आज उन्होंने टाडा की सख्त मुखालफत की है और कहा है कि इसका मिसयूज हुआ है। उन्होंने यह माना है कि बम्बई के अंदर, महाराष्ट्र के अंदर टाडा का गलत इस्तेमाल हुआ है, बहुत सख्त गलत इस्तेमाल हुआ है। सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि इस टाडा का 25 स्टेट्स के अंदर गलत इस्तेमाल हुआ है। इसको लाया गया था जम्मू और कश्मीर तथा पंजाब के लिए। लेकिन अफसोस इस बात का है कि 25 स्टेट्स में इसका इस्तेमाल हुआ है। सबसे ज्यादा इसका इस्तेमाल गुजरात के अन्दर हुआ है जहां 19 हजार लोग पकड़े गए हैं। उसके बाद दूसरे नंबर पर पंजाब है जहां 15175 लोग पकड़े गये और तीसरे नंबर पर असम आता है जहां 11684 लोग पकड़े गए। फिर आंध्र प्रदेश जहां 8692 लोग पकड़े गए और फिर महाराष्ट्र जहां 2219 लोग पकड़े गए। इनके अलावा बहुत सारी स्टेट्स में इसका इस्तेमाल किया गया। सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि डेमोक्रेसी में इस कानून की कोई जरूरत नहीं है। दस सालों के अंदर,

मंत्री जी ने 21 अगस्त, 1994 को बताया कि 67509 लोगों पर टाडा लगाया गया। उसके बाद कितने और पकड़े गए, इसकी सूचना चव्हाण साहब के पास होगी। पिछली बार चव्हाण साहब ने कहा कि हमने इसके अंदर 50 या 60 हजार लोगों को छोड़ दिया है। मैं मंत्री जी से कैटागेरीकली जानना चाहता हूं कि आपने उनको जमानत पर रिहा करवाया है या उनके ऊपर से केसेज उठा लिये हैं? जो कन्विक्शन रेट है वह एक फीसदी से भी कम है। आज तक आप कोई चार्ज साबित नहीं कर सके हैं। अगर ऐसी बात है तो फिर इस कानून को रखने का मतलब क्या है? दस साल के अंदर कितना टेरोरिज्म आप ने कन्ट्रोल किया, यह बताने की कृपा करें?

मैं एक आदमी को यहां कोट करना चाहता हूं। हमारे जनेश्वर मिश्र जी एक बहुत ही सीनियर लीडर हैं। एक जलसे के अन्दर जब इन्होंने टाडा के बारे में कहा तो इन्होंने कहा कि काफी बुजुर्ग हो गया हूं। इसलिए मैं जजबात की रो से ऊपर उठकर बात करता हूं। मैं एक नौजवान की तरह से बात नहीं कर सकता। लेकिन टाडा को देखकर मेरा दिल चाहता है कि मैं जितना सख्त बोलू वह कम है। इन्होंने कहा कि जब 24 मई को यह बिल पार्लियामेंट में आएगा, श्री जनेश्वर मिश्र यहां बैठे हुए हैं, यह पार्लियामेंट है, मैं सारी बातें यहां कोट नहीं करना चाहता हूं, लेकिन इन्होंने बहुत सख्त लफ्जों में कहा कि अगर इसको लेकर आयेंगे तो हम देख लेंगे। आज पूरी पार्लियामेंट यहां बैठी हुई है और पूरे मुल्क की ऐवाम इसको देख रही है। मैं यह कहना चाहता हूं कि दस साल तक इस कानून को लगाने के बाद भी आप टैरोरिज्म का नामोनिशान नहीं मिटा सके। नामोनिशान मिटाना तो दूर की बात है, मामूली सा कंट्रोल भी आप नहीं कर पाए। जम्मू-कश्मीर में आज वही हालात हैं। जम्मू-कश्मीर में आप ने 2500 लोगों को टाडा में पकड़ा और गुजरात के अंदर 19 हजार लोगों को आप पकड़ रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि टेरोरिज्म से जो इफेक्टेड स्टेट है वहां 25 सौ लोग पकड़े जाते हैं और जहां टेरोरिज्म का नामोनिशान नहीं, जो एफेक्टेड एरिया डिक्लेयर नहीं है वहां पर 17 हजार लोगों को पकड़ा है। इसके लिए इस पार्लियामेंट के पास, इस सरकार के पास क्या जवाब है जो इस कानून को आप दुबारा यहां ला रहे हैं कि इसको पास किया जाए। मैं एक बात कहना चाहता हूं, चव्हाण साहब यहां बैठे हैं, वे यह ऐलान करें कि यह कानून हम नहीं लायेंगे, वरना मैं एक बात कहता हूं कि 24 मई को इस पार्लियामेंट से टाडा का कानून पास नहीं हो सकता। अगर इसको पास करने की कोशिश की गयी तो मैं और मेरी पार्टी तथा और तमाम दूसरी पार्टिया इसकी सख्त मुखालफत करेंगी और न सिर्फ मुखालफत करेंगी बल्कि इसको रोकने के लिए अपना पूरा जोर लगा देंगी। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पूरा मुल्क देखेगा कि इस टाडा के गन्दे कानून पर कौन सा मेंबर आफ पार्लियामेंट है जो दस्तखत करेगा कि इसको पास किया जाए। सर, 24 मई को अगर यह कानून यहां पर लाया गया तो वह इस मुल्क की तवारीख का बदतरीन दिन होगा।

मैं जान तक दे दूंगा लेकिन टाडा के कानून को यहां पर आने नहीं दूंगा। यहां बहुत सारे लोग मेरे साथ खड़े होंगे और इस कानून को किसी भी हालत में यहां पास नहीं होने दिया जाएगा।

†شری محمد افضل عرف میم افضل (اتر پردیش):
بہت بہت شکریہ۔ آپ نے ایک بار پھر
"ٹاڈا" کے مسئلے پر بولنے کا موقع دیا۔ "ٹاڈا"
کو دس سال ۲۴ مئی کو ہو رہے ہیں اور
لگتا ہے کہ سرکار پھر سے اسے بڑھانے کے لیے
جا رہی ہے۔ پچھلے دو تین سال سے میں
ٹاڈا کے مسئلے کو بار بار اٹھاتا رہا ہوں۔ اب تو
مذاق میں مجھے محمد افضل عرف ٹاڈا کہنے لگے
ہیں۔ یہ میرا تخلص ہے مجھے شرم آنے لگی ہے۔
میں مسئلے کو بار بار اٹھاتا ہوں لیکن سرکار کو کبھی
شرم نہیں آئی۔ بڑے افسوس کی بات ہے۔ اب
تک ٹاڈا کے خلاف تقریباً ۴۰ سے زیادہ
آرٹیکلس اخباروں میں شائع ہو چکے ہیں۔
اور ہیومن رائٹس کمیشن کے چیرمین نے تمام
ایم پیز کو منسٹرس کو خط لکھا ہے۔ پارٹی کے
لیڈروں کو خط لکھا ہے۔ اس خط کا ایک
جملہ پڑھ دینا چاہتا ہوں جو ہیومن رائٹس کمیشن
کے چیرمین جسٹس رنگاناتھن مشرا نے لکھا ہے۔

"The TADA legislation is indeed draconian in effect and character and has been looked down upon as incompatible with our lultural tradition, legal history and treaty obligation."

اس کے بعد انھوں نے اپیل کی تمام پارلیمنٹ
کے ممبروں سے کہ اس ٹاڈا کے قانون کو اگلی
بار پاس ہونے سے روکیں۔ اس سے زیادہ اہم
بات یہ ہے کہ یونائیٹڈ نیشنس کو دی رپورٹس
میں ہندوستان میں لاگو ڈریکونین لا کے خلاف

[illegible] ہے۔ اور اس میں اس
کو زبردست طریقے سے کریٹیسائز کیا گیا ہے
پر اس مسئلے کو بار بار اٹھایا گیا ہے۔ میں یہ بتانا
چاہتا ہوں کہ میں نے تقریباً ۸۰ خط تمام وزیروں کو
بڑے بڑے لیڈروں کو لکھے ہیں۔ انکو لکھا تھا
نومبر میں۔ اس کا جواب جو پرائم منسٹر صاحب
نے دیا ہے۔ میرا خیال ہے اتنا دلچسپ جواب
ہے ٹاڈا کے اینٹیو پر کہ شاید آپ میں سے کچھ لوگ
اس کو کوٹ کر کے پسند کریں گے۔ پرائم منسٹر صاحب
لکھتے ہیں —

"Dear Shri Afzal,

I have received your letter on the 4th December, 1994 regarding the TADA: With regards.

Yours sincerely,
Sd/- P. V. Narasimha Rao"

یہ ایکنالجمنٹ ہے۔ اس کے بعد آج تک کوئی
خط ہم کو نہیں ملا۔ اس کے علاوہ مجھے یہ افسوس
کے ساتھ کہنا پڑتا ہے کہ اس ملک میں چار چار
ہوم منسٹرس ہیں جن کے ہاتھ میں یہ ٹاڈا قانون
ہے۔ لیکن آج تک ایکنالجمنٹ بھیجنا بھی
چاروں ہوم منسٹرس میں سے کسی نے بھی
گوارا نہیں کیا۔ میں اوروں کی بات نہیں
کرتا۔ ابھی جموں کشمیر کے اندر سرکار کے ایک
وزیر غلام نبی آزاد نے پبلک میٹنگ میں
کھڑے ہو کر یہ کہا کہ اگر ٹاڈا کو نہیں ہٹایا گیا
بارڈرنگ اسٹیٹ کو چھوڑ کر تو میں استعفیٰ
دے دوں گا۔ میرا خیال ہے سرکار غلام نبی آزاد
کے استعفیٰ کا انتظار کر رہی ہے۔ اس کے بعد

†[ ] Transliteration in Arabic script.

†[ ] Transliteration in Arabic script.

ملکانی صاحب کا انٹرویو پڑھا تھا۔ انھوں نے اچھا مشورہ دیا کہ اور کہا کہ بھائی دھیرج رکھو۔ بال ٹھاکرے صاحب ابھی پاور میں آئے ہیں۔ اب تھوڑی بہت ان کے اندر ذمہ داری آجائیگی۔ مجھے لگتا ہے کہ کل جو یہاں ہنگامہ ہوا۔ اس سے تھوڑی ذمہ داری ان کے اندر آگئی ہے۔ آج انھوں نے ٹاڈا کی سخت مخالفت کی ہے اور کہا ہے کہ اس کا مس یوز ہوا ہے۔ انھوں نے یہ مانا ہے کہ بمبئی کے اندر۔ مہاراشٹر کے اندر ٹاڈا کا غلط استعمال ہوا ہے۔ بہت سخت غلط استعمال ہوا۔ سر میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ اس ٹاڈا کا ۲۵ اسٹیٹس کے اندر غلط استعمال ہوا ہے۔ اس کو لایا گیا تھا جموں اور کشمیر تھا پنجاب کے لیے۔ لیکن افسوس اس بات کا ہے کہ ۲۵ اسٹیٹس میں اس کا استعمال ہوا ہے۔ سب سے زیادہ اس کا استعمال گجرات کے اندر ہوا ہے۔ جہاں ۱۹ ہزار لوگ پکڑے گئے ہیں۔ اس کے بعد دوسرا نمبر پنجاب ہے جہاں ۱۵۱۷۵ لوگ پکڑے گئے اور تیسرے نمبر پر آسام آتا ہے جہاں ۱۱۶۸۴ لوگ پکڑے گئے۔ پھر آندھرا پردیش جہاں ۲۸۹۲ لوگ پکڑے ہوئے ہیں اور پھر مہاراشٹر جہاں ۲۲۱۹ لوگ پکڑے گئے۔ ان کے علاوہ بہت ساری اسٹیٹس میں اس کا استعمال کیا گیا۔ سر میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ ڈیموکریسی میں شاید ٹاڈا ہٹا دینگی۔ اس کے علاوہ راجیش پائلٹ جو کچھ بولتے رہے ہیں۔ وہ بھی سب لوگ جانتے ہیں۔ انھوں نے کھلم کھلا کہا ہے کہ ٹاڈا ڈریکونین لا ہے اس کا غلط استعمال ہو رہا ہے۔ سب کچھ ہو رہا ہے۔

سر پرائم منسٹر صاحب بھی کئی جگہوں پر ایشیورینس دے چکے ہیں کہ "ٹاڈا" کے بارے میں غور کیا جا رہا ہے۔ لیکن ہماری سمجھ میں نہیں آرہا ہے۔ کہ آخر یہ کب ختم ہوگا لیکن ایک بات ہے میں مبارکباد دوں چوان صاحب کو ان کی کانسٹینسی میں کوئی کمی نہیں آئی ہے ہمیشہ انھوں نے کہا ہے۔ پارلیمنٹ کے اندر بھی کہا۔ جب ہم نے سوال اٹھایا کہ ہاں۔ اس کا مس یوز ہوا ہے۔ لیکن "ٹاڈا" سے ان کی محبت ختم نہیں ہوئی ایسا لگتا ہے۔ کہ جیسے میں مذاق میں کہہ رہا ہوں۔ کہ بیل وڈ سے جو محبت ہو سکتی ہے۔ ایسے ہی چوان صاحب کو ٹاڈا سے محبت ہے۔

سر۔ آج سے تو بال ٹھاکرے صاحب نے بھی اس کے اوپر اپنے آنسو بہانے شروع کر دیے ہیں انھوں نے کہا کہ کہ سچے دت کو جو پکڑا گیا ہے وہ غلط ہے۔ وہ ان نوسینٹ ہے۔ کاش۔ بال ٹھاکرے صاحب یہ بات دو سال پہلے۔ تین سال پہلے کہہ دیتے لیکن اب چونکہ آپ سرکار میں آ گئے ہیں۔ میں صحیح

اس قانون کی کوئی ضرورت نہیں ہے۔ دس سالوں کے اندر منتری جی نے ۳۱ اگست ۱۹۹۴ کو بتایا کہ ۶۷۵۰۹ لوگوں پر ٹاڈا لگایا گیا۔ اس کے حد تک اور پکڑے گئے۔ اس کی سوچنا چوان صاحب نے پاس ہوگی۔ پچھلی بار چوان صاحب نے کہا کہ ہم نے اس کے اندر ۵۰ یا ۶۰ ہزار لوگوں کو چھوڑ دیا ہے میں منتری جی سے کیشا گو پکلی جاننا چاہتا ہوں کہ آپ نے ان کو ضمانت پر رہا کروایا ہے یا ان کے اوپر سے کیس اٹھا لیے ہیں۔ جو کنوکشن ریٹ ہے وہ ایک فیصدی سے بھی کم ہے۔ آج تک آپ کوئی چارج ثابت نہیں کر سکے ہیں۔ اگر ایسی بات ہے تو پھر اس قانون کو رکھنے کا مطلب کیا ہے۔ دس سال کے اندر کتنا ٹیررزم آپ نے کنٹرول کیا یہ بتانے کی کرپا کریں۔

میں ایک آدمی کو یہاں پر کوٹ کرنا چاہتا ہوں۔ ہمارے جینشور مشرا جی ایک بہت ہی سینئر لیڈر ہیں۔ ایک جلسے کے اندر جب انہوں نے ٹاڈا کے بارے میں کہا تو انہوں نے کہا کہ میں کافی بزرگ ہو گیا ہوں۔ اس لیے میں جذبات کی رو سے اوپر اٹھ کر بات کرتا ہوں۔ میں ایک نوجوان کی طرح سے بات نہیں کر سکتا لیکن ٹاڈا کو دیکھ کر میرا دل چاہتا ہے کہ میں جتنا سخت بولوں کم ہے۔ انہوں نے کہا کہ جب ۲۴ مئی کو یہ بل پارلیمنٹ میں آئے گا۔ تو ہی جینشور مشرا یہاں بیٹھے ہوتے ہیں۔ یہ پارلیمنٹ ہے میں ساری پارٹیاں یہاں کوٹ نہیں کرنا چاہتا ہوں۔ لیکن انہوں نے بہت سخت لفظوں میں کہا کہ اگر اس کو پاس کرائیں گے تو ہم دیکھ لیں گے۔ آج پوری پارلیمنٹ یہاں بیٹھی ہوئی ہے اور پورے ملک کی عوام اس کو دیکھ رہی ہے۔ میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ [illegible] اس قانون کو لگانے کے بعد بھی آپ ٹیررزم کا نام و نشان نہیں مٹا سکے۔ نام و نشان مٹانا تو دور کی بات ہے معمولی [illegible] آپ نہیں کر پائے۔ جموں کشمیر میں آج [illegible] حالات ہیں۔ جموں کشمیر میں آپ نے ۲۵ لوگوں کو "ٹاڈا" میں پکڑا اور گجرات میں ۱۹ ہزار لوگوں کو آپ پکڑ رہے ہیں۔ میں کہنا چاہتا ہوں کہ ٹیررزم سے جو افیکٹڈ اسٹیٹس ہیں وہاں ۲۵۰ لوگ پکڑے جاتے ہیں اور جہاں ٹیررزم کا نام و نشان نہیں جو افیکٹڈ ایریا ڈکلیئر نہیں ہیں وہاں پر ۱۹ ہزار لوگوں کو پکڑا گیا۔ اس لیے اس پارلیمنٹ کے پاس اس سرکار کے پاس کیا جواب ہے۔ جو اس قانون کو آپ دوبارہ یہاں لا رہے ہیں کہ اس کو پاس کیا جائے۔ میں ایک بات کہنا چاہتا ہوں ۔ چوان صاحب یہاں بیٹھے ہیں۔ وہ یہ اعلان کریں کہ یہ قانون ہم نہیں لائیں گے [illegible] میں ایک بات کہتا ہوں کہ ۲۴ مئی کو اس پارلیمنٹ سے ٹاڈا کا قانون پاس نہیں ہو سکتا۔ اگر اس کو پاس کروانے کی کوشش کی گئی تو میں اور میری

پارٹی تھا اور ہم دوسری پارٹیاں اس کی سخت مخالفت کریں گی اور نہ صرف مخالفت کریں گی بلکہ اس کو روکنے کے لیے اپنا پورا زور لگا دیں گے۔ میں یہ بھی کہنا چاہونگا کہ یہ ملک دیکھے گا کہ اس ٹاڈا کے گندے قانون پر کون سا ممبر آف پارلیمنٹ ہے جو دستخط کرے گا۔ کہ اس کو پاس کیا جائے۔ سر۔ ۲۴ مئی کو اگر یہ قانون یہاں پر لایا گیا تو وہ ملک کی تاریخ کا بدترین دن ہوگا۔ میں جان تک دے دوں گا لیکن "ٹاڈا" کے قانون کو یہاں پر آنے نہیں دوں گا یہاں بہت سارے لوگ میرے ساتھ کھڑے ہوں گے اور اس قانون کو کسی بھی حالت میں یہاں پاس نہیں ہونے دیا جائے گا۔

"ختم شد"

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : आपकी जान बहुत कीमती है।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी,

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : आप तो थोड़े में बहुत बातें कह देते हैं।

श्री ईश दत्त यादव: मान्यवर, मैं आपके आदेशों का, निर्देशों का अक्षरश: पालन करने का प्रयास करूंगा। आपने इस गम्भीर विषय पर बोलने के लिए मुझे अनुमति दी है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मान्यवर, मै और मेरी समाजवादी पार्टी टाडा के कानून को काला कानून मानती है। अंग्रेजों के राज में भी प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट था जिसमें नो अपील, नो दलील का प्रोविजन था। उससे भी ज्यादा यह काला कानून मुझ को नजर आता है। जब संसद में यह कानून बिल के रूप में लाया गया था तो उस समय सरकार की ओर से यह कहा गया था कि यह कानून केवल उग्रवादी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लाया गया है और यह सीमित रहेगा केवल उग्रवाद और उग्रवादी गतिविधियों को समाप्त करने के लिए। लेकिन पूरे देश ने देखा कि इस काले कानून का किस तरह से दुरुपयोग किया गया। बम्बई के अंदर महाराष्ट्र के अन्दर और पूरे देश के अन्दर दूसरे प्रदेशों में राजनीतिक द्वेश के कारण, दूसरी रंजिश के कारण कई लोगों को इस कानून के अन्दर जलों म डाल दिया गया, उनकी जमानत नहीं हुई, उनकी सुनवाई नहीं हुई। मैं नहीं कहता कि सब के सब निर्दोष थे लेकिन अधिकांश उनमें निर्दोष थे। लेकिन इस कानून का हमेशा क्यों प्रयोग होता रहे। मान्यवर, उत्तर प्रदेश में हमारी पार्टी की सरकार है और हमारे नेता तथा मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश के अन्दर कोई भी व्यक्ति टाडा कानूनके अन्दर बन्द नहीं रहेगा और लगभग सब को उन्होंने छोड़ दिया। मैं यहां तक कहना चाहता हूं कि कुछ साम्प्रदायिक ताकतों ने मुलायम सिंह यादव के ऊपर एक व्यक्ति से प्राण घातक हमला कराया था तिलंगे से, वह भी टाडा कानून के अन्दर बन्द था। उसको भी मुलायम सिंह यादव ने जेल से रिहा कर दिया। मैं चाहता हूं कि प्रदेशों में जितनी सरकारें हैं सभी सरकारें टाडा कानून में जितने लोग बन्द है, सब को रिहा कर दें। मैं अपनी बात समाप्त करते हुए माननीय गृह मंत्री जी से मांग करता हूं और भारत सरकार से मांग करना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी से भी मांग करना चाहता हूं, मैंने गृह मंत्री जी का बयान भी पढ़ा था जिसमें गृह मंत्री जी ने कहा कि सख्ती हुई है कानून के अन्तर्गत लोगों के साथ लेकिन यह कानून हटाया नही जा सकता है, संभव है, इसमें कुछ संशोधन पेश किये जाएं। मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि इस देश के अन्दर बहुत से अन्य कानून हैं कलप्रिट्स को सजा देने के लिए, कलप्रिट्स को जेल में डालने के लिए आई० पी० सी०, सी० आर० पी० सी० है, इसेंशियल कमोडिटीज एक्ट हैं, हजारों कानून इस देश के अन्दर बने हुए हैं। अगर कोई अपराध करता है तो इन कानूनों के अन्तर्गत उनको आप जेल में

इसलिये, उनका ट्रायल कराइये, सजा दीजिये। मैं पुनः मांग कर रहा हूं कि इस काले कानून की अवधि 26 मई को समाप्त होने वाली है, आप भविष्य में इसको बढ़ाने की कोशिश न करें और इस काले कानून को वापिस करें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक बात पुनः आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): उपसभाध्यक्ष महोदय, धन्यवाद, आपने मुझे संबद्ध करने का मौका दिया। इस मामले पर हम कई बार इस सदन में बोल चुके हैं। पिछले सत्र में भी बोले हैं। उस वक्त भी मैंने कहा था और अभी भी मंत्री जी यहां बैठे हैं, हमारे सदन के वे नेता भी हैं, गृह मंत्री जी कई बार कह चुके हैं। हमने पत्र लिखे हैं, जवाब का इंतजार कर रहे हैं। प्रेस कान्फ्रेंस में भी बोले हैं। अभी तो ऐसा है कि महाराष्ट्र के चुनाव के पहले कांग्रेस के बड़े बड़े नेता, मंत्री, गृह मंत्री जी और वहां के उस समय के मुख्य मंत्री ने भी कहा कि हां नाइन्साफी हो रही है, देखा जाएगा। लेकिन आज हम सदन में यह सुनना चाहते हैं कि जब इसका टर्म एक्सपायर हो रहा है मई महीने में, वे फिर बिल ले कर आएंगे बढ़ाने के लिए तो इससे पहले गृह मंत्री जी यह कहें, कैटेगरीकली यह कहें, एश्योरेंस दें जो बाहर भी कह चुके हैं . . . **(व्यवधान)**

गृह मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण): मैं क्या बोलूं आप यह भी सुझाव दे रहे हैं **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद सलीम: मैं आपसे मांग कर रहा हूं क्योंकि आप प्रेस कान्फ्रेंस में और सदन में कई बार टाडा के बारे में बोल चुके हैं।

†[**شری محمد سلیم** (پشچمی بنگال): اپ سبھا ادھیکش مہودے۔ دھنیہ واد۔ آپ نے مجھے سمبندھ کرنے کا موقع دیا۔ اس مسئلے پر ہم کئی بار اس سدن میں بول چکے ہیں۔ پچھلے سترمیں بھی بولے ہیں۔ اس وقت بھی میں نے کہا تھا اور ابھی بھی منتری جی یہاں بیٹھے ہیں۔ ہمارے سدن کے وہ نیتا بھی ہیں۔ مگر یہ منتری جی کئی بار کہہ چکے ہیں۔ ہم نے پتر لکھے ہیں۔ جواب کا انتظار کر رہے ہیں پریس کانفرنس میں بھی بولے ہیں ابھی تو ایسا ہے کہ مہاراشٹر کے چناؤ کے پہلے کانگریس کے بڑے بڑے نیتا، منتری گرہ منتری جی اور وہاں کے اس سمے کے مکھیہ منتری نے بھی کہا کہ ہاں ناانصافی ہو رہی ہے۔ دیکھا جائیگا۔ لیکن آج ہم سدن میں یہ سننا چاہتے ہیں کہ جب اس کا ٹرم ایکسپائر ہو رہا ہے۔ مئی مہینے میں۔ وہ پھر بل لیکر آئیں گے بڑھانے کے لیے تو اس سے پہلے گرہ منتری جی یہ کہیں۔ کیٹیگری کلی یہ کہیں۔ ایشورینس دیں جو باہر بھی کہہ چکے ہیں... "مداخلت"

شری ایس بی۔ چوان: میں کیا بولوں آپ یہ بھی سجھاؤ دے رہے ہیں... "مداخلت"...

شری محمد سلیم: میں آپ سے یہ مانگ کر رہا ہوں کیونکہ آپ پریس کانفرنس میں اور سدن میں کئی بار ٹاڈا کے بارے میں بول چکے ہیں۔

मैं एक बात सुनना चाहता हूं कि अब तक जो हुआ, सो हुआ और इसके आगे हम टाडा को नहीं बढ़ा रहे हैं। . . . **(व्यवधान)**

†[ ] Transliteration in Arabic script.

شری محمد سلیم "جاری": میں ایک بات سننا چاہتا ہوں کہ اب تک جو ہوا سو ہوا اور اس کے آگے ہم "ٹاڈا" کو نہیں بڑھا رہے ہیں۔ مداخلت†

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Enough is enough. Do you mean to say that?

SHRI MD. SALIM): Yes, enough is enough, thus far and no further.

यह अगर आप कह देते हैं तो इतना लंबा भाषणबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है और आपको आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र ने सबक सिखाया है, बिहार भी आज सबक सिखा रहा है और इसके बावजूद भी अगर आप सबक नहीं लेंगे तो न आप रहोगे और न आपका टाडा कानून रहेगा। इससे बेहतर है कि आप रहते-रहते टाडा को टा-टा कर दो। आपने इस सदन में जब डाटा दिया था पिछली बार हम यह कहे थ लेकिन आपने जवाब नहीं दिया था उस समय मंत्री महोदय ने कहा था सदन में फिगर दे करके कि हमने टाडा वाले सब रिलीज कर दिए, लेकिन उस समय भी हमने कहा था और आज भी कहता हू, आप उनके बारे में कह रहे हैं जिनको आप बेल दिए हैं, लेकिन केसेज विदड्रा नहीं हुए हैं। अभी में केरल में गया था केनानूर में गया था। पोलिटीकल एक्टिविस्ट, ट्रेड यूनियन लीडर आज भी टाडा अभी भी लागू किया हुआ है लेकिन वे बेल पर रिलीज हैं। . . . (व्यवधान)

یہ اگر آپ کہہ دیتے ہیں تو اتنا لمبا بھاشن بازی کرنے کی کوئی ضرورت نہیں ہے اور آپ کو آندھرا پردیش۔ کرناٹک۔ گجرات۔ مہاراشٹر نے سب سکھایا ہے۔ بہار بھی آج سبق سکھا رہا ہے اور اس کے باوجود بھی اگر آپ سبق نہیں لیں گے تو نہ آپ رہیں گے اور نہ آپ کا ٹاڈا قانون رہیگا اس سے بہتر ہے کہ آپ رہتے رہتے ٹاڈا کو ٹاٹا کر دو۔ آپ نے جب اس سدن میں ٹاڈا دیا تھا پچھلی بار ہم یہ کہے تھے لیکن آپ نے جواب نہیں دیا تھا۔ اس سمے منتری مہودے نے کہا تھا کہ سدن میں نیگر دے کر کے ہم نے ٹاڈا والے سب ریلیز کر دیے۔ لیکن اس سمے بھی ہم نے کہا تھا اور آج بھی کہتا ہوں۔ آپ ان کے بارے میں کہہ رہے ہیں جن کو آپ بیل دیے ہیں۔ لیکن کیسز وڈرا نہیں ہوئے ہیں۔ ابھی میں کیرل میں گیا تھا "کیننانور" میں گیا تھا پولیٹیکل ایکٹیوسٹ ٹریڈ یونین لیڈر آج بھی ٹاڈا ابھی بھی لاگو کیا ہوا ہے لیکن وہ "بیل" پر ریلیز ہیں.....

I am saying 'in Kerala'. . .(*Interruptions*)... Yes, in Kerala.

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): I challenge you.

SHRI MD. SALIM: I too challenge you. .

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, he cannot make a wrong statement. The Kerala Government requested the Government to repeal the Tada. Nobody was in jail under TADA. . .(*Interruptions*)... They arrested 303 people... (*Interruptions*)... Five hundred people are in jails in Bengal, not in Kerala... (*Interruptions*)... You are misleading the House.

SHRI MD. SALIM: I challenge you, Mr. Vayalar Ravi. I challenge you... (*Interruptions*)...

SHRI M. A. BABY (Kerala): Sir, I have the privilege of...

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Baby, please sit down... (*Interruptions*)...

SHRI M. A. BABY (Kerala): Our party leaders have been implicated. (*Interruptions*)

SHRI MD SALIM: If there is a TADA case in Kerala, will you resign, Mr. Vayalar Ravi?... (*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: उसमें कितने लोगों को मारा.. (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل اس میں کتنے لوگوں کو مارا... "مداخلت"...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: What is this, Sir?... (*Interruptions*)... Mr. Afzal, there are other issues also... (*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: Mr. Vayalar Ravi, if there is a TADA case in Kerala, will you resign? If there is no case, I will resign?... (*Interruptions*). If there is a TADA case...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Salim, you have brought it on record already. Please conclude.

SHRI MD. SALIM: Mr. -Vice-Chairman, what I wanted to say is this. Whenever they speak, they talk about 'release', they talk about 'withdrawal. ...(*Interruptions*)... They say 'withdrawn'! There is a distinct difference... (*Interruptions*)...

SHRI VAYALAR RAVI: Why don't you give the details?

(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Vayalar Ravi was Home Minister of Kerala. He has denied certain facts...(*Interruptions*)... Yes, that is all right... (*Interruptions*)...

SHRI VAYALAR RAVI: It is their own judgement... (*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: आपकी हिम्मत नहीं है। यह होम मिनिस्ट्री का डाकूमेंट है.... (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: آپ کی ہمت نہیں ہے۔ یہ ہوم منسٹری کا ڈاکومنٹ ہے... "مداخلت"...

SHRI M. A. BABY: Our party leaders have been implicated under the TADA. We got them released on bail. That does not matter, but they are put in jail under the TADA.

(*Interruptions*)

SHRI VAYALAR RAVI: Both the CPI and the RSS were arrested. That is true ...(*Interruptions*)...

SHRI MD. SALIM: Mr. Vayalar Ravi, you were saying, "There is nobody in the jail"... (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. VAYALAR RAVI, why are you levelling counter-charges?... (*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद सलीम : हमें दुख है.. (**व्यवधान**) रवि जी को उनकी कांग्रेस के अपने लोग ही बाहर निकाल दिए हैं। रवि के दिमाग में बहुत गुस्सा बैठा हुआ है।... (**व्यवधान**)....

†ہیں۔ روی کے دماغ میں بہت غصہ بیٹھا ہوا ہے... "مداخلت"...

†شری محمد سلیم: ہمیں دکھ ہے "مداخلت"... روی جی کو انکی اپنی کانگریس کے لوگ ہی باہر نکال دیے

I know that. I know that... (*Interruptions*)... I know your sympathy for the Kerala Government. But why do you shout? Sit down.

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

SHRI VAYALAR RAVI: I don't shout. You shout... *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Salim kindly conclude. Why do you join issue with Ravi? After all, he is giving certain facts. He has been Home Minister of Kerala. He says something. You may accept it or you may not accept it, but these things cannot be decided here.

SHRI MD. SALIM: But he cannot disturb me, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): All right Please sit down. I am calling the next name. I have to call the next name.

SHRI MD. SALIM: No, no. Mr. Vice-Chairman, Sir, I was asking the Home Minister to give a categorical assurance. I did not ask Mr. Ravi to jump and shout, but unfortunately he did. My point is, I spoke about Kerala I still stand by it. I am saying that they were released, but the cases were not withdrawn. And he is saying 'no one in jail', 'on one in jail' I am saying that when the Home Minister gave this assurance in this House, he gave the figure, saying that the TADA cases were withdrawn; these were the only cases. I said, "No. Cases are not withdrawn. Those were released on bail," Whenever an alleged accused is released on bail, you cannot say that the cases are with withdrawn. The cases are still there. The extortions are there. Do you know that the people of thier families have to bear all the burden?

My quesion is this.

उपसभाध्यक्ष जी, मैं जो कह रहा था, वह यह है कि जो कैसेज विदड्रा नहीं हुए हैं, बेल में हैं और जिनको आप प्रमाणित नहीं कर पा रहे हैं, वह केस क्यों चलता रहेगा ? चाहे वह किसी भी राज्य में चले । यह सिर्फ केरल की बात नहीं है । . . (व्यवधान) . . . बंगाल में मैं आज भी गौरव के साथ कहता हूं कि "टाडा" लगाया है. . . (व्यवधान) . . .

†شری محمد سلیم: اپ سبھادھیکش جی میں جو کہہ رہا تھا وہ یہ ہے کہ جو کیسیز وڈرا نہیں ہوئے۔ بیل میں ہیں۔ اور جن کو آپ پرمانت نہیں کر پا رہے ہیں۔ وہ کیس کیوں چلتا رہے گا۔ چاہے وہ کسی بھی راجیہ میں چلے۔ یہ صرف کیرل کی بات نہیں ہے..... "مداخلت"... بنگال میں میں بھی آج بھی گورو کے ساتھ کہتا ہوں کہ "ٹاڈا" لگایا گیا ہے... "مداخلت"...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Do you also want to associate yourself with it, Mr. Raaj Babbar? *(Interruptions)*...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I want to raise a point for the information of the House. Sir, there are other issues alst. *(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद सलीम : उन 6 लोगों पर जो कि बम-ब्लास्ट में लगे थे जो कि बॉम्बे बम-ब्लास्ट के बाद जब कलकत्ता में हुआ था, लेकिन वह दीगर बात है । आप "टाडा" उठा दें तो हम हमारे दूसरे कानूनों के तहत कार्यवाही करने पर विचार करेंगे । तो उपसभाध्यक्ष जी, मैं कह रहा था कि इस तरह से हाउस को मिसलीड नहीं करना चाहिए । मंत्री जी एश्योरेंस दें कि यह "टाडा" को और आगे नहीं बढायेंगे । इतना ही मैं कहना चाहता हूं ।

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

شری محمد سلیم: ان ۶ لوگوں پر جو کہ بم بلاسٹ میں لگے تھے، جو کہ بمبئی بم بلاسٹ کے بعد جب کلکتہ میں ہوا تھا۔ لیکن وہ دیگر بات ہے۔ آپ "ٹاڈا" اٹھا دیں۔ تو ہم ہمارے دوسرے قانونوں کے تحت کارروائی کرنے پر وچار کریں گے۔ تو اپ سبھا ادھیکش جی میں کہہ رہا تھا کہ اس طرح سے ہاؤس کو مس لیڈ نہیں کرنا چاہیے۔ منتری جی ایشیورینس دیں کہ وہ "ٹاڈا" کو ادھر آگے نہیں بڑھائیں گے۔ اتنا ہی میں کہنا چاہتا ہوں۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Do you also want to associate yourself with it. Mr. Raaj Babbar?

MR. RAAJ BABBAR: Yes, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Okay Mr. Raaj Babbar.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, we have also other issues. (*Interruptions*).

मौलाना श्रोबैदुल्ला खान आजमी: आप गरीबों पर होने वाला जुल्म खत्म नहीं कराना चाहती हैं ?

مولانا عبید اللہ خان اعظمی: آپ غریبوں پر ہونے والا ظلم ختم نہیں کرنا چاہتی ہیں۔

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Please let me address the Chair. (*Interruptions*)... You address the Chair, Sir. I have my own problems. I sympathise with whatever problems have been raised by Mr. Afzal. It is a very important issue. I have a personal problem, a vital problem concerning my State. I have waited for three weeks. Even today I told the Chairman, "Sir, if TADA begins, we will not have an opportunity". He said, "only 15 minutes". Will I get a chance today? Today the Parliament is going to be adjourned till 14th April. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): I can only assure you that you will get a chance today. (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is a vital problem for me. Sir, I would like to know... (*Interruptions*)... Please let me ask the Chair. (*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAY SINGH): He has assured you a chance. (*Inturreptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Madam Jayanthi Natarajan, I assure you that you will get a chance. (*Interruptions*)...

मौलाना श्रोबैदुल्ला खान आजमी: "टाडा" क्या कोई मामूली जुल्म है ? यह आपके सूबे में जो हो रहा है उससे कहीं बड़ा जुल्म है । . . (**व्यवधान**) . .

مولانا عبید اللہ خان اعظمی: "ٹاڈا" کیا کوئی معمولی ظلم ہے۔ یہ آپ کے صوبے میں جو ہو رہا ہے اس سے کہیں بڑا ظلم ہے۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I am sorry. TADA is not the only issue. (*Interruptions*)...TADA is not the only issue. (*Interruptions*)... There are poor people in Tamil Nadu. I stand for the poor people of my State. I have been elected from there. TADA is not the only issue in the country. The hon. Chairman gave it in writing in front of me that it would be only 15 minutes. It is now half-an-hour. When am I going to get a chance? (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Okay, you will get a chance... (*Interruptions*).

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I have a problem of my own. (*Interruptions*)... You keep quit. (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Madam Jayanthi Natarajan, please don't join issue with Saralaji. (*Interruptions*)...

श्री राज बब्बर (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय मैं आपका आभारी हूं। माननीय सदस्या का कहना कि "टाडा" ही केवल एक इश्यू नहीं है। उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि "टाडा" ही केवल इश्यू नहीं है "टाडा" सबसे बड़ा इश्यू है "टाडा" जड़ है। आज के दिन "टाडा" जड़ है सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने के लिए। "टाडा" जैसे कानून ने इस देश के अन्दर सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया है फिर चाहे वह पंजाब हो, चाहे वह महाराष्ट्र हो, चाहे वह गुजरात हो, चाहे वह आंध्रप्रदेश हो या चाहे वह कर्नाटक हो। मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि जो माननीय सदस्य यह कहते है कि यह एक मामूली-सा इश्यू हैं ... (**व्यवधान**)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I don't say that. (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Madam Jayanthi Natarajan, you please take your seat. (*Interruptions*)...

श्री राज बब्बर : यह मामूली इश्यू नहीं है। आज सरकारें बन रही हैं आज सांप्रदायिकता खत्म हो रही है, लोग एकजुट हो रहे हैं इस कानून के नाम पर। यह कानून की बेईमानी है।

SHRI S. S. AHLUWALIA: Upadhyakshaji, I object to it. (*Interruptitns*)... I object to it. (*Interruptions*)...

श्री राज बब्बर : यह* कांग्रेस इस कानून को लगाकर इस देश के अंदर बेईमानी को बढ़ावा दे रही है टैरेरिज्म बढ़ा रही है ... (**व्यवधान**)... यह अंग्रेजों की पिट्ठू है... (**व्यवधान**)... सिर्फ आप लोगों के चिल्लाने से ... (**व्यवधान**)... माननीय सदस्य यहां पर हाथ-पर हाथ रखकर बैठे रहते। यह कानून कांग्रेस पार्टी ने ... (**व्यवधान**)... चाहे वह शाह शब्बीर हो, चाहे पंजाब के अंदर गिरफ्तार आतंकवादी हो, चाहे वह पंजाब ... (**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Raaj Babbar, just a minute. (*Interruptions*)...

श्री राज बब्बर : गृह मंत्री इस तरह से खामोशी से बैठकर .. (**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Hereafter nothing will go on record. (*Interruptions*)... Hearafter nothing will go on record. (*Interruptions*)...

SHRI RAAJ BABBAR:*

SHRI S. S. AHLUWALIA: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Nothing is going on record. (*Interruptions*)... Nobody's speech is going on record. (*Interruptions*)...

SHRI BAAJ BABBAR: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Raaj Babbar, nothing is going on record. Then why are you speaking? (*Interruptions*)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: *

SHRI RAAJ BABBAR: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Afzal, please sit down. (*Interruptions*)... Mr. Raaj Babbar, please take your seat. (*Interruptions*). Please go back to your seat. (*Interruptions*). Mr. Afzal, please take your seat. (*Interruptions*). Nothing is going on record. (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY: *

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: *

*Expunged as ordered by the Chair.

*Not recorded.

SHRI S. JAIPAL REDDY: *

SHRI S. S. AHLUWALIA: *

SHRI ISH DUTT YADAV: *

SHRI MD. SALIM: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Hon. Members, I have already said that nothing is going on record. Please sit down. We wish to conduct the proceedings of the House in a dignified way. I request the Members to resume their seats. Let us not lose temper. We are debating a particular issue. Members may agree or may not agree. I am permitting some Members as a special case to associate themselves with this particular issue. Normally association need not be for three minutes or four minutes or five minutes. Mr. Babbar, you don't have to make a speech. Your name is not in the list. You are simply associating yourself. (*Interruption*). Nothing will go on record. (*Interruptions*). Nothing will go on record unless I permit. (*Interruptions*).

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: *

SHRI MD. SALIM: *

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Please take your seat. (*Interruptions*). Mr. Yadav, please take your seat. Mrs. Natarajan, please take your seat. People are seeing in what way we behave in this House. So far as the record is concerned, nothing will go on record unless my permission it there. (*Interruptions*). Please take your seat.

*Expunged as ordered by the Chair.
†[]transliteration in Arabic Script

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I am standing here to raise an issue... (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): I have already assured you. I will permit you. Now, The Leader of the Opposition. (*Interruptions*.) Just a minute.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, they are shouting at me. Mr. Yadav is shouting at me. Mr. Babbar is shouting at me. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Nobody can Shout at you.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: They are trying to intimidate me. I am a Member of this House. I have the right to speak.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): I will protect your rights. (*Interruptions*). Now, Shri Sikander Bakht. (Interruptions). Let us conduct the proceedings in a dignified way.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहब यहां इस हंगामें में कुछ दो तीन ना-मुनासिब अलफाज का इस्तेमाल हुआ है। मुझे मालूम नहीं कि कौनसा हिस्सा हाऊस की प्रोसीडिंग से निकाला गया है, कौनसा नहीं निकाला गया है। एक यह सिनेमा की जो बात कही हैं यकीनन निकलनी चाहिए, प्रोसीडिंग में नहीं होनी चाहिए। दूसरे यहां * के शब्द का इस्तेमाल हुआ है, भद्दा है और उसको मेहरबानी करके आप प्रोसीडिंग से निकलवा दें। मुझे और कुछ नहीं कहना इतना ही कहना था। ... **(व्यवधान)** ...

شری سکندر بخت : صدر صاحب۔ یہاں اس ہنگامے میں کچھ دو تین نامناسب الفاظ کا استعمال ہوا ہے۔ مجھے معلوم نہیں کہ کون سا حصہ بائوس کی پروسیڈنگ سے نکالا گیا ہے۔ کون سا نہیں نکالا گیا ہے۔ ایک یہ سینما کی جو بات کہی ہے۔ یقیناً نکالنی چاہیے۔ پروسیڈنگ میں نہیں ہونی چاہیے۔ دوسرے یہاں * کے شبد کا استعمال ہوا ہے بھدا ہے اور اس کو مہربانی کر کے آپ پروسیڈنگ سے نکلوا دیں۔ مجھے اور کچھ نہیں کہنا اتنا ہی کہنا تھا..... "مداخلت".....

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : मिस्टर अहलुवालिया ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया (बिहार) उपाध्यक्ष महोदय, अपोजीशन के लीडर ने जो कहा है, मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं, मगर मैंने यह कब कहा, जब उन्होंने पार्टी का नाम लेकर * कहा था । ...(**व्यवधान**)... सरकार के बारे में आप कुछ कहिए, मगर पार्टी का नाम लेकर नहीं । ...(**व्यवधान**)... पार्टी का नाम लेकर न कहिए । हमको कोई आपत्ति नहीं, सरकार के बारे में आप कुछ बोलिए । ...(**व्यवधान**)... मैं इस सदन में किसी के दिल में चोट पहुंचाने के लिए कुछ नहीं कहना चाहता और अगर मेरे मुंह से कोई ऐसा शब्द निकला है तो मैं माफी चाहता हूं, किन्तु मैं अपनी पार्टी के बारे में कोई अपशब्द सुनने का आदी नहीं हूं और न सुनना चाहता हूं । मैं उम्मीद करता हूं कि राज बब्बर साहब भी अपने अलफाज वापस लेंगे । ...(**व्यवधान**)...

*Not recorded.

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : इन्होंने वापस ले लिए हैं । ...(**व्यवधान**)... एक मेकेण्ड, प्लीज़ । ...(**व्यवधान**)...

श्री जनेश्वर मिश्र : महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न ...(**व्यवधान**)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: What does he mean by saying that Congress is"? (*Interruptions*). He should apologise. (*Interruptions*).

श्री एस०एस० अहलुवालिया: उपसभाध्यक्ष जी...(**व्यवधान**)...

श्री राज बब्बर : मैं कांग्रेस की नीतियों को * मानता हूं । ...(**व्यवधान**)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Look at the culture. Please note the culture... (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Mr. Vice-Chairman, Sir... (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Janeshwar Mishra is on a point of order... (*Interruptions*)... Please resume your seat, Mr. Narayanasamy... (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, I am on a point of order... (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): I am not hard of hearing, Mr. Narayanasamy... (*Interruptions*)... I have heard that you are on a point of order... (*Interruptions*)... but he is already on a point of order... (*Interruptions*)...

श्री जनेश्वर मिश्र : (उत्तर प्रदेश) उपसभाध्यक्ष जी, इस पर गर्मी आना स्वाभाविक था । माननीय सदस्य अफजल साहब ने जब यह बात उठाई थी तो उन्होंने आखिर में एक बात कही थी कि अगर "टाडा" की मियाद बढ़ाई गई तो मैं अपनी जान दे दूंगा । इस सदन की गरिमा के लिए सदन में कोई सदस्य इस सीमा तक बात कहे कि फलां कानून के सवाल पर मैं अपनी जान दे दूंगा, यह रिकार्ड में लिखा गया है... (**व्यवधान**) अगर हम सब कह दें कि आत्मदाह करेंगे ...(**व्यवधान**)...

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I have a point of order... (*Interruptions*)...

श्री जनेश्वर मिश्र : इसमें प्वाइंट आफ आर्डर नहीं आता, सदन की प्रक्रिया के सवाल पर । तो कोई सदस्य इस सीमा तक चला जाए और कह दे कि इस मुद्दे पर हम अपनी जान दे देंगे आत्मदाह कर लेंगे और सदन और सरकार नोटिस न ले तो इससे बड़ी हास्यास्पद बात नहीं हो सकती ।

माननीय राज बब्बर ने * कांग्रेस शब्द का इस्तेमाल किया मैं बहुत ईमानदारी से सुन रहा था, आपकी पार्टी को नहीं कहा है । * कांग्रेस –माने कांग्रेस पार्टी या कांग्रेस सरकार नहीं है लेकिन "टाडा" के कानून पर हमने पटेल साहब जब गृह मंत्री थे और ब्रह्मानन्द रेड्डी जब गृह मंत्री थे तब से . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, do we have to listen to this lecture?... (*Interruptions*)... Do we have to listen to this lecture whether Congress party is* or not?... (*Interruptions*)...We are not going to listen to this lecture... (*Interruptions*)... Sir, they are intimidating me... (*Interruptions*)... What is this? Are you allowing this?... (*Interruptions*)... He is giving another interpretation and you are allowing it... (*Interruptions*)..

श्री जनेश्वर मिश्र : मैं आ रहा हूं, राज बब्बर पर ही आ रहा हूं । . . (**व्यवधान**) . .

श्री एस.एस. अहलुवालिया : अब नया इंटरप्रिटेशन आ रहा है । . . (**व्यवधान**) . .

श्री जनेश्वर मिश्र : "प्रिवेंटिव डिटेंशन" से लेकर "मीसा" तक जितने भी अवरोधक कानून आए हैं, सभापति जी, कभी भी किसी भी अल्पसंख्यक समुदाय ने या समुदाय विशेष के लोगों ने "नजरबंदी कानून" से लेकर "मीसा" तक यह महसूस नहीं किया कि यह हमारे खिलाफ चल रहा है लेकिन "टाडा" के बारे में हिन्दुस्तान का अल्पसंख्यक महसूस करता है कि यह कानून हमारे खिलाफ है । तो यह * कानून है या नहीं और अगर राज बब्बर ने इस मुद्दे पर * कांग्रेस कहा या * कानून कहा तो क्या बुरा कहा ? . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एस० एस० अहलुवालिया : इतने सीनियर मैम्बर होकर आप उस पर पर्दा डाल रहे हैं । . . . (**व्यवधान**) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Narayanasamy... (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Mr. Vice-Chairman. Sir, Mr. Raaj Babbar, while speaking accused the Congress party... (*Interruptions*)... The word which he has used is unparliamentary and it is derogatory. You should go through the records. He cannot accuse a political party... (*Interruptions*) by using abusive language. First of all, he should learn how to maintain the decorum of the House... (*Interruptions*)... He cannot use the language which he uses outside. There are rules and regulations. He cannot accuse any political party by using the word which he has used in the House. You should go through the rule book and find out whether that word is permitted or not... (*Interruptions*)... It should be removed from the records. He should also be reprimanded . (*Interruptions*) .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Janeshwar Mishra has given an interpretation that he was using the word* for the TADA law and he did not say that the Congress party was*... (*Interruptions*)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: No, Sir. He said, "Cngress"... (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: He clearly said, "Congress* hai"... (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY: He did not say against the TADA law... (*Interruptions*)...

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI K. V. THANGKA BALU: He cannot justify what he was saying... (*Interruptions*)...

SHRI P. K. THUNGON: He should withdraw the word... (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): The particular use of the word* for the Congress party is taken off the records... (*Interruptions*)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: That is not the point... (*Interruptions*)...

एक माननीय सदस्य का जो फर्ज बनता है मैंने कोई ग्रन-पार्लियामेंट्री वर्ड यूज नहीं किया था। उनके दिल को चोट पहुंची इसलिए मैंने विद्ड्रो किया और सदन से माफी मांगी।

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : ठीक है, आपका बड़प्पन है।

श्री एस.एस. अहलूवालिया : एक पूरी पार्टी को इतना बड़ा अपमान करके यह सदन अगर खुश होता है, यह दुर्भाग्य की बात है। परन्तु इनको अपने अल्फाज वापिस लेने चाहिए। अपने अल्फाज वापिस लेने चाहिए।

सैयद सिब्ते रजी : सर आपने यहां पर देखा... (**व्यवधान**)

श्री ईश दत्त यादव : * * ग्रन-पार्लियामेंट्री वर्ड नहीं है सर मेरा यह निवेदन है। ... (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Raj Babbar, I think it is not good. Unnecessarily, you infuriated the Members of the House... (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY :*

SHRI ISH DUTT YADAV :*

SHRI JANESHWAR MISRA:*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL) :Nothing will go on record unless the Members speak with my permission... (*Interruptions*) Order, please... (*Interruptions*) Hon. Members, please take your seats... (*Interruptions*) Hon. Members if you don't permit me to conduct the proceedings of the House ... (*Interruptoins*) If you join together, shout and fight like this, then I have no other option but to adjourn the House... (*Interruptions*) So I request all the Memberss.. (*Interruptions*) Mr. Raj Babbar, will you kindly listen to me? Mr. Ahluwalia was kind enough to withdraw his remarks because they hurt the feelings of some Members. He did say that this was not a cinema hall. But he has witdrawn it. I expect this of you also so as to help me in conducting the proceedings of the House. Otherwise, I may have to adjourn the House. Why unnecessarily insist on it? Enough is enough. Either you withdraw your remark or express your apologies. Otherwise, I may have to stop the proceedings.

श्री राज बब्बर : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले तो आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। अगर उन्होंने सिनेमा शब्द वापिस ले लिया है तो अगर ** शब्द से तकलीफ पहुँची है तो मैं यह कह देता हूं कि * शब्द इस्तेमाल नहीं करता। लेकिन कांग्रेस पार्टी की नीतियां ईमानदार नहीं हैं। * वापिस लेता हूं।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Mr. Vice-Chairman, may I make a submission?

(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): I permit Mr. Gurudas Das Gupta to make his submission.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : Sir, I would like to submit... (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, he cannot escape just by... (*Interruptions*)...

*Not recorded.

**Expunged as ordered by the Chair.

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Jayanthiji, please allow me to speak. Please allow me to speak.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I will allow you. But first he should apologise to the whole House. This is very essential... (*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Mr. Vice-Chairman, kindly condemn the act.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Mr. vice-Chairman, I am only submitting that we in this House belong to different political parties... (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: The whole House...(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mrs. Natarajan, please take your seat. I have permitted Mr. Gurudas Das Gupta to speak.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: We belong to different political parties. And we hate our strong criticism, the strongest criticism, about the policies of other parties. I have my own way of criticising the Congress and the Congress has its own way of criticising either me or the BJP. But after all, this House is an integrated system, an indispensable system of the Indian democracy. The country cannot survive without democracy and democracy cannot survive without tolerance. I only want to say that the use of superlatives must come to an end in this House from all the sides and we must know how to put across our feelings. Our views on TADA which is agitating many of us are not going to serve any purpose if we are to behave in this manner. Thereore, I appeal to the House that there should be a total ban on the use of superlatives. We must not use the superlatives which may lead in a way to putting an end to this very House. It must not be so. I appeal to Shri Raj Babbar to understand the strong feelings of the House and take back his words. I appeal to him.

श्री राज बब्बर* मैंने वापिस ले लिया है शब्द को ..(व्यवधान)..

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Raaj Babbar, in the interest of the dignity of the House, I request you to kindly withdraw those words unconditionally.

श्री राज बब्बर: मैं एक बार फिर सदन से कह रहा हूं कि मैंने * शब्द वापिस ले लिया है।

AN HON. MEMBER: He has withdrawn that word.

SHRI T. VENKATRAM REDDY: He must apologise to the House...(*Interruptions*)...

SHRI JIBON ROY: He has withdrawn that word. It is enough.

SHRI T. VENKATRAM REDDY: No, it is not enough. He must auologise to the House...(*Interruptions*)... He must express his regret...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: He has withdrawn that word. Let us put an end to this.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Now, Shri Sikander Bakht.

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब....
(व्यवधान)....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Apart from Mr. Gurudas Das Gupta, I have identified Mr. Sikander Bakht and Mr. S. Jaipal Reddy.

श्री मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी: क्या इस झगड़े में टाडा को जिंदा रखने की कोशिश की जा रही है ..(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) नहीं, नहीं आजमी साहब बैठिए आप।

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, मैं बेहद रंजीदा हूं। काफी उम्र से मैं पार्लियामेंट की कार्यवाही को देख रहा हूं लेकिन इस किस्म की सूरत-ए-हाल मैंने कभी नहीं देखी।

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN Shame!

श्री सिकन्दर बख्त : यह शेम नहीं यह तो रोने की मकाम है बहुत ही अफसोस नाक है। आई एम सॉरी, यहां सब बातें कहते हैं जैसा कि गुरुदास दासगुप्त जी ने कहा, एक दूसरे के खिलाफ कहते हैं। लेकिन जब हमको बहुत मजबूती से किसी की मुखालिफत करनी होती है तो मुहज्जब अलफाज के साथ करते हैं। लेकिन आज तो कमाल हो गया। हमें मालूम नहीं कि हम पार्लियामेंट के किसी सदन में बैठे थे या किसी जगह सरे बाजार थे। बहुत ही अफसोस नाक और तकलीफदेह सूरत-ए-हाल हुई है। मैं शुक्रिया अदा करता हूं राज बब्बर साहब का कि उन्होंने लफ्ज वापिस ले लिया।

श्री एस०एस० अहलुवालिया : वापिस कहां लिया ? . . (**व्यवधान**) . .

उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल) : अनकंडीशनली वापिस लिया है। . . (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : जरा शांत रहें। मेरी बात पूरी हो जाने दें। मैं शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने शब्द वापिस ले लिया लेकिन बेहद हंगामा होने के बाद वापिस लिया। अगर फौरन वापिस ले लेते तो इस सदन को बहुत सारी उलझनों से बचाया जा सकता था। बहुत सख्त काबिले मजम्मत है आज का सीन जो इस सदन में हुआ। वह इस सदन की वेकार इस सदन के गौरव के बिल्कुल खिलाफ है। मैं मुअद्दबाना हरेक से अपील करना चाहता हूं कि हम लोग सब अपनी बात करते हैं कहनी चाहिए लेकिन इस हद तक हम सदन को ले जाएं जो आज का तमाशा था बहुत अफसोस नाक और दर्दनाक था। मुझे मालूम नहीं कि क्या हो सकता है कि इस किस्म की तस्वीर हम अपने सदन की कार्यवाही से टोटली मुकम्मिल तौर पर निकाल सकते।

شری سکندر بخت : صدر صاحب میں بیحد رنجیدہ ہوں۔ کافی عرصے سے میں پارلیمنٹ کی کارروائی کو دیکھ رہا ہوں۔ لیکن اس قسم کی صورتحال میں نے کبھی نہیں دیکھی۔

شری سکندر بخت : یہ شیم نہیں۔ یہ تو رونے کا مقام ہے۔ بہت ہی افسوسناک ہے۔ آئی۔ ایم ساری یہاں سب باتیں کہتے ہیں۔ جیسا کہ گرو داس گپت جی نے کہا ایک دوسرے کے خلاف کہتے ہیں۔ لیکن جب ہم کو بہت مضبوطی سے کسی کی مخالفت کرنی ہوتی ہے۔ تو مہذب الفاظ کے ساتھ کرتے ہیں۔ لیکن آج تو کمال ہو گیا۔ ہمیں معلوم نہیں کہ ہم پارلیمنٹ کے کسی سدن میں بیٹھے تھے یا کسی جگہ سرے بازار تھے۔ بہت ہی افسوسناک اور تکلیف دہ صورتحال ہوئی ہے۔ میں شکریہ ادا کرتا ہوں۔ راج ببر صاحب کا کہ انھوں نے لفظ واپس لے لیا۔

شری ایس۔ ایس۔ آہلووالیہ : واپس کہاں لیا۔ . . "مداخلت" . .

اپ سبھا ادھیکش (شری ستیش اگروال) "ان کنڈیشنلی واپس لیا ہے . . "مداخلت" . .

شری سکندر بخت : ذرا شانت رہیں۔ میری بات پوری ہو جانے دیں۔ میں شکر گزار ہوں کہ انھوں نے شبد واپس لے لیا لیکن بے حد ہنگامہ ہونے کے بعد واپس لیا۔ اگر فوراً واپس لے لیتے تو اس سدن کو بہت ساری الجھنوں سے بچایا جا سکتا تھا۔ بہت سخت قابل مذمت ہے۔ آج کا سین جو اس سدن میں ہوا۔ وہ اس سدن کی وقار اس سدن کے گورو کے بالکل خلاف ہے۔ میں مؤدبانہ آپ سے اپیل

بتانا چاہتا ہوں کہ ہم لوگ سب اپنی بات کر سکتے
ہیں۔ کمیٹی چاہیے لیکن اس طرح کی سدن کو نہ
جائیں۔ جو آج کا تماشہ تھا بہت افسوسناک اور
دردناک تھا۔ مجھے معلوم نہیں کہ کیا ہو سکتا ہے کہ
اس قسم کی تصویر ہم اپنے سدن کی کارروائی سے
ٹوٹلی مکمل طور پر نکال سکتے۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Shri Jaipal Reddy. *(Interruptions)*

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Sir, while I share the profound sense of grief at the unprecedented and unparliamentary scenes witnessed today in the House, I would like to urge you to let the remaining business of the House be conducted because the House was discussing the gravity of the situations arising from the continuation of this draconian piece of legislation, the TADA. I am afraid attention from the basic issue is being diverted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): Mr. Biplab Dasgupta. *(Interruptions)*. The Home Minister wants to say something. *(Interruptions)*. Let him say. *(Interruptions)*. No. no, Mr. Azmi. Please resume your seat. You are appealing for repeal of TADA, for abolition of TADA, why do you lose temper? You have to be persuasive.

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, I am on a very limited point. In fact, it is very unfortunate that in the Rajya Sabha, which is supposed to be a model for all others to follow, we have seen the kind of scene of which, I am sure, no hon. Member can feel proud. By all means, you have every right to put forth your point of view. We are not going to suppress anybody's point of view. You can express your views. But at the same time, the dignity of the House has to be maintained. If some of the senior Members, instead of assuaging the fellings, were to give different interpretations, the same kind of attitude would continue. It might be that some new Members have come and they could not control their sentiments. I would appeal to all of them: by no means do you compromise on issues, you can speak strongly here. If you maintain the dignity of the House and put forth your point of view, that will add to the discussion on the subject on which you are speaking, rather than rousing the kind of sentiments that you are trying to rouse. I would like to place on record that I really felt sorry that some of the hon. Members, who, in fact, are very seasoned politicians, got into this.

I am in full aggreement with the Leader of the Opposition on what he said, that it is the responsibility of both the sections of the House to see to it that they maintained the dignity of the House. *(Interruptions)*.

SOME HON. MEMBERS: What about TADA? *(Interruptions)*.

SHRI S. B. CHAVAN: Mr. Biplab Dasgupta, when that point comes, I will definitely make a statement. But in a Special Mention, I am not supposed to react here. I will speak on it at a proper time. *(Interruptions)*.

SHRI JANESHWAR MISRA: Is it the dignity of the House? *(Interruptions)*.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी. होल हाउस बहस कर रहा है और यह जवाब नहीं दे रहे हैं । (व्यवधान)

†مولانا عبید اللہ خان اعظمی: ہول ہاؤس بحث
کر رہا ہے اور یہ جواب نہیں دے رہے ہیں۔۔۔
"مداخلت"

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, we are staging a walk-out... *(Interruptions)*... We are staging a walk-out... *(Interruptions)*.

†[ ] Transliteration in Arabic script.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SATISH AGARWAL): No, no. The House is adjourned for lunch to meet again at 2.30 P.M. The next Zero Hour Mentions and Special Mentions will be taken up at 5.00 P.M.

The House then adjourned for lunch at fifty-five minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-five minutes past two of the clock, **The Vice-Chairman (Shri V. Narayanasamy)** in the Chair.

SHRI BALBIR SINGH (Punjab): Sir, I am on a point of order. I am still grateful to you that on Tuesday you allowed me to express my views on a very important subject. Today, I have seen the proceedings of that day and my name is not there. I would like to know under what rule my name has been deleted. This is my point of order. We always, as the Members of this House, seek your protection. अगर आप ही नहीं

पहचानते हैं तो हम जाएं तो जाएं कहां ?

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, the point of the hon. Member is very valid.

SHRI BALBIR SINGH: The other day, Shri Hiphei was also saying something about it. He was saying that the Press was not fair to him, but I would say that the Chair has not been fair to me in protecting my interests.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I am sorry that it was a mistake on that day. The mistake will be corrected. Now, Shri Chidambaram is to lay... (*Interruptions*)...

SHRIMATI KAMLA SINHA: How can the Minister encroach upon the Private Members' time?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): That can be continued even after five.

PAPERS LAID ON THE TABLE— CONTD.

Revised edition of the Export and Import Policy

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the revised edition of the 'Export and Import Policy, 1st April, 1992-31st March 1997 (Incorporating amendments made upto 31st March, 1995)'.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Now, we shall take up the Private Members' Legislative Business. First of all, Shri S. P. Malaviya is to introduce his Bill. He is not here.

THE PREVENTION OF SLAUGHTERING OF ANIMALS FOR COMMERCIAL PURPOSES BILL, 1995

DR. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to further provide for the prohibition of slaughtering of domestic animals for commercial purposes in order to save the fast depleting number of livestock throughout the country resulting in shortage of milk, milk products, natural manure and energy for agricultural purposes and for matters connected therewith or incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

DR. NAUNIHAL SINGH: Sir, I introduce the Bill.

THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 1995 (TO AMEND ARTICLE 239AA)

DR. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted.

DR. NAUNIHAL SINGH: Sir, I introduce the Bill.